ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 06 मई 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 31

भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार हो उदयपुर विकास का ब्लूप्रिंट : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

देवास परियोजना में तेजी लाने और शहर की आधारभूत सुविधाएं मजबूत करने के दिए निर्देश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उदयपुर शहर के विकास को लेकर अधिकारियों को भविष्य की आवश्यकताओं और बढ़ती जनसंख्या को ध्यान में रखते हुए दीर्घकालीन विकास योजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उदयपुर राजस्थान का प्रमुख पर्यटन शहर है, जहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं, इसलिए शहर की आधारभूत सुविधाओं को समय के अनुरूप विकसित किया जाना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री बुधवार को उदयपुर जिला परिषद सभागार में आयोजित जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) और नगर निगम को शहर के चारों ओर 25 से 30 किलोमीटर की परिधि में विकास की संभावनाओं का अध्ययन कर विशेष कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सड़क सुधार, ट्रैफिक मैनेजमेंट और अन्य शहरी सुविधाओं को लेकर विस्तृत ब्लूप्रिंट बनाने पर जोर दिया।

बैठक में मुख्यमंत्री ने देवास परियोजना को उदयपुर शहर के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए इसके कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परियोजना की तीसरी और चौथी स्टेज पूर्ण होने के बाद उदयपुर की झीलों में पानी की कमी नहीं रहेगी और शहर की पेयजल व्यवस्था मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री ने बारिश से पहले शहर में सीवरेज और पाइपलाइन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए ताकि आमजन को परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने रिंग रोड योजना पर विशेष ध्यान देने, जिले में शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा आवश्यकतानुसार जल शोधन प्लांट लगाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

फतेहपुरा चौराहे पर एआई आधारित ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने इसे शहर के अन्य प्रमुख चौराहों पर भी लागू करने को कहा। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने और उदयपुर की स्वच्छता रैंकिंग में सुधार के लिए विशेष कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। साथ ही संस्थाओं, उद्योगपतियों और आमजन की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अधिकारियों को स्पष्ट कहा कि लोकसेवक जनता के प्रति जवाबदेह हैं और जनहित के कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने विकास योजनाओं की प्लानिंग में जनप्रतिनिधियों के सुझावों को शामिल करने और आवश्यकतानुसार संशोधन करने के निर्देश दिए।

उन्होंने ग्राम रथ यात्रा के दौरान उपखंड अधिकारियों और तहसीलदारों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा आमजन से संवाद स्थापित करने को भी कहा।

बैठक में जल संसाधन विभाग, विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड, आरएनटी मेडिकल कॉलेज, सार्वजनिक निर्माण विभाग, जलदाय विभाग, अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड तथा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने योजनाओं और कार्यों की प्रगति की जानकारी प्रस्तुत की। संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी ने संभाग की प्रशासनिक स्थिति, यूडीए एवं नगर निगम आयुक्त अभिषेक खन्ना ने विकास कार्यों तथा पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन ने शहर के ट्रैफिक प्रबंधन की जानकारी दी।

इस अवसर पर राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी, विधायक ताराचंद जैन, फूलसिंह मीणा, शांता देवी, प्रताप गमेती, जिला प्रभारी सचिव टी. रविकांत, पुलिस महानिरीक्षक गौरव श्रीवास्तव, जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वंदे मातरम को 'जन-गण-मन' जैसा दर्जा देने को कैबिनेट की मंजूरी, अपमान पर होगी सजा

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' को राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के समान दर्जा देने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। इसके बाद अब 'वंदे मातरम' के अपमान या इसके गायन में बाधा डालने पर भी वही कानूनी कार्रवाई होगी, जो वर्तमान में राष्ट्रगान के अपमान पर लागू होती है। सरकार के अनुसार यह फैसला राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लिया गया है। संशोधन के बाद यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर 'वंदे मातरम' के गायन में बाधा डालता है या उसका अपमान करता है तो उसे तीन वर्ष तक की जेल, जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। दोबारा अपराध करने पर न्यूनतम एक वर्ष की सजा का प्रावधान भी रहेगा।

केंद्र सरकार ने इसके साथ 'वंदे मातरम' के गायन और प्रस्तुति को लेकर नई गाइडलाइन भी जारी की है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सरकारी समारोहों, राष्ट्रीय ध्वज फहराने, राष्ट्रपति और राज्यपालों के आधिकारिक कार्यक्रमों तथा अन्य प्रमुख राजकीय आयोजनों में 'वंदे मातरम' का छह अंतरों वाला आधिकारिक संस्करण प्रस्तुत किया जाएगा, जिसकी अवधि लगभग 3 मिनट 10 सेकंड होगी। नई गाइडलाइन में स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' और 'जन-गण-मन' दोनों का आयोजन हो, तो पहले 'वंदे मातरम' गाया जाएगा और उसके बाद राष्ट्रगान प्रस्तुत किया जाएगा। दोनों प्रस्तुतियों के दौरान लोगों के लिए सम्मानपूर्वक सावधान मुद्रा में खड़ा रहना अनिवार्य होगा। हालांकि सिनेमा हॉल और फिल्म प्रदर्शन के दौरान दर्शकों को खड़े होने से छूट दी गई है।

गृह मंत्रालय ने स्कूलों, कॉलेजों और अन्य संस्थागत कार्यक्रमों में भी 'वंदे मातरम' के गायन को बढ़ावा देने के निर्देश दिए हैं। सरकार का कहना है कि इसका उद्देश्य युवाओं और आमजन में राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ाना है। राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' की रचना बंकिम चंद चटर्जी ने 7 नवंबर 1875 को की थी। यह 1882 में उनके उपन्यास 'आनंदमठ' में प्रकाशित हुआ था। वर्ष 1896 में Rabindranath Tagore ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन में पहली बार इसे सार्वजनिक रूप से गाया था। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान 'वंदे मातरम' देशभक्ति और आजादी के आंदोलन का प्रमुख नारा बना।

शिखर धवन ने गुरुग्राम में कराई मैरिज रजिस्ट्रेशन, पत्नी सोफी शाइन संग किए दस्तावेजों पर हस्ताक्षर

24 न्यूज अपडेट

गुरुग्राम। पूर्व भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने बुधवार को गुरुग्राम पहुंचकर अपनी पत्नी सोफी शाइन के साथ विवाह का आधिकारिक पंजीकरण कराया। दोनों ने गुरुग्राम स्थित रजिस्ट्रार कार्यालय में पहुंचकर मैरिज डॉक्यूमेंट्स पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान परिवार के सदस्य भी मौजूद रहे। रजिस्ट्रार ऑफिस में शिखर धवन डार्क ब्लू टी-शर्ट और सनग्लासेज में नजर आए, जबकि सोफी शाइन लाइट स्काई ब्लू टॉप में दिखाई दीं। दस्तावेजों पर हस्ताक्षर के दौरान वहां मौजूद लोगों के बीच हल्का-फुल्का मजाक भी देखने को मिला। सोफी के साइन करने के दौरान पीछे खड़े एक व्यक्ति ने मजाकिया अंदाज में कहा, "पंडित का फोटो आ रहा है या नहीं", जिस पर वहां मौजूद लोग हंस पड़े। जानकारी के अनुसार शिखर धवन और सोफी शाइन ने 12 जनवरी को सगाई की थी। इसके बाद 21 फरवरी को दिल्ली-एनसीआर में एक निजी समारोह में दोनों ने शादी की थी। शादी समारोह की एक वीडियो क्रिकेटर युजवेंद्र चहल ने सोशल मीडिया पर साझा की थी, जिसमें सभी "मौजां ही मौजां" गाने पर डांस करते नजर आए थे। बताया जा रहा है कि शिखर धवन और उनकी पत्नी गुपचुप तरीके से गुरुग्राम के विकास सदन स्थित मैरिज रजिस्ट्रार कार्यालय पहुंचे थे। औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शिखर ने वहां मौजूद कुछ लोगों से बातचीत भी की। गौरतलब है कि शिखर धवन ने फरवरी 2025 में गुरुग्राम के सेक्टर-54 स्थित डीएलएफ के अल्ट्रा लग्जरी प्रोजेक्ट 'द डाहलियास' में करीब 69 करोड़ रुपए में एक आलीशान अपार्टमेंट खरीदा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक लगभग 6,040 वर्गफुट में फैले इस अपार्टमेंट में पांच कार पार्किंग और निजी एलिवेटर जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं।

अखनूर सेक्टर में शहीद हुआ ब्यावर का अग्निवीर लाल, चार महीने बाद था रिटायरमेंट

24 न्यूज अपडेट

ब्यावर। जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में आतंकियों के साथ मुठभेड़ के दौरान राजस्थान का एक और जवान मातृभूमि पर न्योछावर हो गया। ब्यावर जिले के लगेतखेड़ा गांव निवासी 26 वर्षीय युवराज सिंह बुधवार को आतंकवादियों से मुकाबला करते हुए शहीद हो गए। वे भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में तैनात थे। शहादत की सूचना मिलते ही पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई। शहीद के पिता प्रताप सिंह को बुधवार सुबह आर्मी हेडक्वार्टर से फोन कर घटना की जानकारी दी गई। बेटे की शहादत की खबर सुनते ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गांव में मातम छा गया और बड़ी संख्या में ग्रामीण शहीद के घर पहुंचकर परिजनों को सांत्वना देने लगे। प्रताप सिंह भाजपा के मंडल अध्यक्ष रह चुके हैं, ऐसे में क्षेत्रभर के लोग परिवार के साथ खड़े नजर आए। ग्रामीणों के अनुसार युवराज सिंह बचपन से ही देश सेवा का सपना देखते थे। सेना में भर्ती होकर उन्होंने अपने सपने को साकार किया था। उनकी बहादुरी और मिलनसार स्वभाव के कारण गांव में हर कोई उन्हें पसंद करता था। उनकी शहादत से पूरे क्षेत्र में गर्व और गम का माहौल है। परिजनों ने बताया कि युवराज सिंह 17 फरवरी 2022 को भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में भर्ती हुए थे। वे महज चार महीने बाद सेवा अवधि पूरी कर घर लौटने वाले थे। 15 फरवरी 2026 को वे एक महीने की छुट्टी पर गांव आए थे और 19 मार्च को वापस ड्यूटी पर लौटे थे। उस दौरान उन्होंने परिवार से कहा था कि अब केवल चार महीने की ड्यूटी बाकी है। परिवार में उनके एक छोटा भाई और एक बहन है। परिजनों ने बताया कि 5 मई की रात ड्यूटी पर जाने से पहले युवराज ने घर पर फोन कर सभी के हालचाल पूछे थे। बुधवार सुबह परिवार ने उनसे संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन फोन बंद आ रहा था। कुछ देर बाद आर्मी हेडक्वार्टर से शहादत की सूचना मिली। शहीद युवराज सिंह का पार्थिव शरीर गुरुवार या शुक्रवार तक गांव पहुंचने की संभावना है। प्रशासन की ओर से राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार की तैयारी की जा रही है। अंतिम यात्रा में प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है।

धानमंडी थाना पुलिस की कार्रवाई, एनडीपीएस एक्ट में 6 माह से फरार आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे "सुदर्शन चक्र-2" अभियान के तहत धानमंडी थाना पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में पिछले छह माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा एवं वृत्ताधिकारी नगर पश्चिम राजेश यादव के सुपरविजन में थानाधिकारी भंवरलाल के नेतृत्व में गठित टीम ने आसूचना और तकनीकी सहयोग के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार थाना अम्बामाता के प्रकरण संख्या 483/2025 में धारा 8/21 एवं 8/29 एनडीपीएस एक्ट के तहत वांछित आरोपी प्रवीण कुमार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद, उम्र 37 वर्ष, निवासी भट्टों का बामणिया, कपासन, हाल मीरा नगर थाना प्रतापनगर, उदयपुर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पिछले छह माह से फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मामले में अग्रिम अनुसंधान शुरू कर दिया है। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी भंवरलाल, कांस्टेबल कमल एवं कांस्टेबल जालिम सिंह शामिल रहे। इस कार्रवाई में कांस्टेबल कमल की विशेष भूमिका रही।

संपादकीय : दावे और हकीकत

देश की सभी पार्टियां राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने का एक मत से समर्थन करती हैं। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किए जाने के लिए तैंतीस फीसद आरक्षण का विधेयक पारित कराने में भी सभी दलों की भूमिका रही। मगर महिलाओं की नुमाइंदगी के सवाल पर संजीदा दिखने वाली लगभग सभी पार्टियां क्या तब तक इस मुद्दे पर ठोस पहल नहीं करेंगी, जब तक विधायिका में आरक्षण की व्यवस्था व्यवहार में लागू न हो जाए ? आखिर क्या वजह है कि देश में लोकसभा या फिर विधानसभा के लिए जब भी चुनाव होते हैं, तो उसमें पर्याप्त संख्या में महिलाओं को टिकट देने को लेकर ईमानदार इच्छाशक्ति का अभाव दिखता है ? गौरतलब है कि चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव सभी पार्टियों की ओर से जितनी महिलाओं को टिकट दिया गया और उनमें जीतने वालों की जो संख्या रही, वह महिला भागीदारी के सवाल पर राजनीतिक दलों के प्रचारित सरोकार के प्रति ईमानदारी को कठघरे में खड़ा करती है। दरअसल, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुदुचेरी में हुए चुनाव के दौरान कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव हुए। उनमें जीत हासिल करने वाली महिलाओं का अनुपात बेहद कम रहा। नतीजों के मुताबिक, इन पांचों प्रदेशों कुल पांच फीसद सीटों पर ही महिलाएं चुनी गईं। इन राज्यों में अलग-अलग पार्टियों ने महिलाओं को टिकट देने में भी अपने घोषित सरोकारों के उलट रवैया अपनाया। मसलन, पश्चिम बंगाल में दो सौ सात सीटें जीत कर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में सामने आने वाली भाजपा ने सभी 294 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे, लेकिन उसने सिर्फ तैंतीस सीटों पर महिलाओं को मौका दिया था। जबकि तृणमूल कांग्रेस ने अपनी उम्मीदवारी के 291 सीटों में से 52 महिलाओं को टिकट दिया था। नतीजतन, राज्य की कुल सीटों में से सिर्फ दस फीसद महिलाएं जीत सकी। दूसरी ओर, तमिलनाडु की राजनीति में एक बड़ा बदलाव हुआ, जहां सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी टीवीके 234 सीटों पर चुनाव लड़ी, लेकिन उसने सिर्फ चौबीस महिलाओं को उम्मीदवार बनाया था। असम में फिर से जीतने वाली भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने 126 सीटों में से केवल छह महिलाओं को टिकट दिया। केरल में जीत हासिल करने वाली यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को मौका दिया । जाहिर है, तकरीबन सभी पार्टियों ने महिलाओं को उम्मीदवार बनाने में कोई खास उत्साह नहीं दिखाया। हालांकि हाल ही में संसद में परिसीमन विधेयक पारित न होने के संदर्भ में महिला आरक्षण का सवाल चुनावी राजनीति का भी मुद्दा बना और भाजपा की ओर से इस मसले पर विपक्षी दलों पर सवाल उठाए गए। विडंबना यह है कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के घोषित दावों के बरक्स टिकट देने के मामले में भाजपा सहित सभी पार्टियों के भीतर इच्छाशक्ति की कमी दिखती है। क्या यही सबसे बड़ी वजह नहीं है कि विधायिका में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने और एक न्यायपूर्ण संतुलन के लिए आरक्षण की जरूरत पड़ी? महज औपचारिकता पूरी करने के लिए किसी महिला को टिकट देना सरोकारों के प्रति ईमानदारी को नहीं दर्शाता है। ऐसे में जरूरत इस बात की है कि महिला आरक्षण की व्यवस्था को जल्द लागू किया जाए और उसके समांतर सभी राजनीतिक दलों की ओर से महिलाओं को अधिकार के रूप में ज्यादा से ज्यादा अवसर देने को लेकर ईमानदारी से पहल हो ।

नया अध्याय

तमिलनाडु में सिनेमा और सियासत का खासा प्रभाव रहा है, जहां कई लोकप्रिय अभिनेताओं ने फिल्मी परदे से निकलकर सत्ता के गलियारों तक का सफर तय किया है। राज्य में अभिनेता से नेता बनने की परंपरा की नींव एमजी रामचंद्रन ने रखी थी। उन्होंने वर्ष 1972 में द्रमुक से अलग होकर अन्नाद्रमुक पार्टी का गठन किया और लंबे समय तक राज्य की सत्ता संभाली। अब तमिल सिनेमा के मशहूर अभिनेता विजय भी उनकी राह पर हैं। उनकी पार्टी टीवीके राज्य विधानसभा चुनावों में 108 सीटें जीतकर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। टीवीके की इस जीत को इसलिए अहम माना जा रहा है कि यह उसका पहला चुनाव था और उसने राज्य के इतिहास में एक बार फिर राजनीति की दिशा बदल दी है। इससे पहले यहां की सियासत केवल दो दलों द्रमुक और अन्नाद्रमुक के ईद-गिर्द केंद्रित रहती थी। हालांकि, विजय की पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिल पाया है, लेकिन राज्य में उनकी सरकार बननी लगभग तय है। अब देखना होगा कि सत्ता संभालने के बाद वे जनता की उम्मीदों पर कितने खरे उतर पाएंगे। गौरतलब है कि तमिलनाडु की सिवत में एमजी रामचंद्रन के बाद कई फिल्मी सितारों ने कदम रखा, जिनमें जयललिता का नाम सबसे ऊपर है। अभिनेता विजयकांत और कमल हासन ने भी नए दलों का गठन किया, लेकिन उन्हें खास कामयाबी नहीं मिल पाई। इसके अलावा, रजनीकांत ने भी वर्ष 2020 में अपनी राजनीतिक पार्टी बनाने का एलान किया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपने कदम वापस खींच लिए। वहीं, अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को बने हुए लगभग दो साल का ही वक्त हुआ है और पहले ही चुनाव में उसने राज्य की मुख्यधारा के दोनों दलों को करारी शिकस्त देकर शानदार जीत हासिल की है। विजय को अभिनेता के रूप में जिस तरह की फिल्मों से लोकप्रियता मिली है, उनमें से ज्यादातर व्यवस्था की जटिलता एवं उसमें सुधार पर केंद्रित रही हैं। अब यह देखने की बात होगी कि इससे पहले सत्ता पर मजबूत पकड़ रखने वाली द्रमुक की राज्य में शासन और विकास की नीतियों के समांतर अब विजय और उनकी टीवीके तमिलनाडु की राजनीति को कौन सी नई दिशा देते हैं।

जमकर खाउंगा, खाने भी दूंगा : XEN के घर से 8 लाख कैश, 25 लाख का गोल्ड बरामद, एसई की तलाश तेज

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा में पीडब्ल्यूडी रिश्वत प्रकरण में कार्रवाई के बाद अब जांच ने रफ्तार पकड़ ली है। कलेक्ट्रेट परिसर में हुई ट्रैप कार्रवाई के अगले ही चरण में एसीबी ने आरोपी एक्सईएन शहजाद मोहम्मद के ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाकर अहम साक्ष्य जुटाए हैं।

जहाजपुर स्थित मकान में देर रात तक सर्च

एसीबी टीम मंगलवार शाम करीब 5 बजे जहाजपुर स्थित एक्सईएन के आवास पहुंची, जहां पुलिस जाब्ता तैनात कर सघन तलाशी शुरू की गई। यह कार्रवाई रात करीब 10:30 बजे तक चली। सूत्रों के अनुसार तलाशी में करीब 8 लाख रुपए नकद और लगभग 25 लाख रुपए के सोने के आभूषण मिले हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं की गई है।

लेन-देन का नेटवर्क खंगाल रही एसीबी

जांच में सामने आया है कि रिश्वत का यह पैसा केवल एक्सईएन स्तर तक सीमित नहीं था, बल्कि इसे उच्च अधिकारियों तक पहुंचाया जाना था। मामले में एसई खेमचंद मीणा को नामजद किया गया है और उनकी तलाश तेज कर दी गई है। एसीबी अब कॉल डिटेल, वित्तीय लेन-देन और ठेकेदारों के नेटवर्क की भी गहराई से जांच कर रही है।

ठेकेदारों के जरिए चलता था पूरा सिस्टम

प्रारंभिक जांच में यह तथ्य सामने आया है कि शाहपुरा क्षेत्र में कार्यरत कुछ ठेकेदारों के माध्यम से कमीशन वसूली का पूरा तंत्र संचालित हो रहा था। बिल पास कराने, भुगतान करवाने और निर्माण कार्यों में प्राथमिकता दिलाने के बदले यह रकम ली जाती थी।

पुराने टेंडर और कार्यों की भी जांच

एसीबी अब आरोपी एक्सईएन के कार्यकाल के दौरान हुए टेंडर, निर्माण कार्य और भुगतान फाइलों की भी पड़ताल कर रही है। खासकर शाहपुरा, बनेड़ा और जहाजपुर क्षेत्र में हुए प्रोजेक्ट्स को जांच के दायरे में लिया गया है, जहां बड़े पैमाने पर कार्य स्वीकृत हुए थे।

आगे और खुलासों के संकेत

जांच एजेंसी का मानना है कि यह मामला केवल एक ट्रांजेक्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि लंबे समय से चल रहे कमीशन सिस्टम का हिस्सा हो सकता है। ऐसे में आने वाले दिनों में और अधिकारियों व ठेकेदारों की भूमिका भी सामने आ सकती है।

निगम की विफलताओं के खिलाफ कांग्रेस का धरना कल, भ्रष्टाचार और बदहाल व्यवस्थाओं पर करेंगे घेराव

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर में नगर निगम की कार्यप्रणाली को लेकर राजनीति गरमा गई है। शहर जिला कांग्रेस कमेटी नगर निगम प्रांगण में धरना-प्रदर्शन कर निगम प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलने जा रही है। कांग्रेस ने शहर में बिगड़ती व्यवस्थाओं और कथित भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाते हुए निगम को पूरी तरह विफल बताया है। पार्टी का आरोप है कि शहर की सड़कों की हालत बदतर हो चुकी है और जगह-जगह गड्ढों ने आमजन की परेशानी बढ़ा दी है। सफाई व्यवस्था को लेकर भी कांग्रेस ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि शहर के कई इलाकों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है, जबकि अंदरूनी शहर में सीवरेज की समस्या विकराल रूप ले चुकी है और नालियां जाम पड़ी हैं। पर्यटन नगरी होने के बावजूद प्रमुख पर्यटन स्थलों की हालत खराब होने, आयड़ नदी घोटाले, बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों और 272 प्लॉट घोटाले जैसे मुद्दों को लेकर भी कांग्रेस ने नगर निगम पर निशाना साधा है।

शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष फतह सिंह राठौड़ ने कहा कि भाजपा शासित नगर निगम हर मोर्चे पर फेल साबित हुआ है और आम जनता गंदगी, बदबू और अव्यवस्थाओं से परेशान है। वहीं पार्टी प्रवक्ता शिवशंकर मेनारिया ने कहा कि अब कांग्रेस इन मुद्दों पर निर्णायक संघर्ष करेगी और जनता की आवाज को मजबूती से उठाया जाएगा। गुरूवार को सुबह 11 बजे निगम प्रांगण में धरना प्रदर्शन कर आवाज बुलंद की जाएगी।

सीबीएसई 10वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी, 15 मई से शुरू होंगी परीक्षाएं

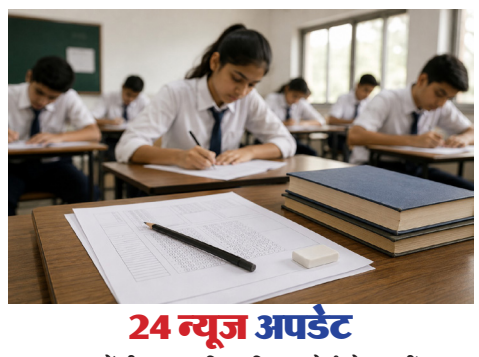

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं कक्षा की दूसरी बोर्ड परीक्षा (इम्प्रूवमेंट/सप्लीमेंट्री) के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। यह परीक्षा 15 मई से शुरू होकर 21 मई तक आयोजित की जाएगी। स्कूल अपने-अपने छात्रों के एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकेंगे, वहीं प्राइवेट विद्यार्थी भी अपना प्रवेश पत्र ऑनलाइन प्राप्त कर पाएंगे।

बोर्ड ने परीक्षा को लेकर सख्त दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। परीक्षा नियंत्रक डॉ. संयम भारद्वाज के अनुसार, किसी भी छात्र को सुबह 10 बजे के बाद परीक्षा केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सभी विद्यार्थियों को निर्धारित स्कूल यूनिफॉर्म में आना अनिवार्य होगा और साथ में स्कूल आईडी कार्ड व एडमिट कार्ड लाना जरूरी रहेगा।

परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल फोन या किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। बोर्ड ने छात्रों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे व्हाट्सएप, टेलीग्राम, यूट्यूब और एक्स पर अफवाहें फैलाने या परीक्षा से जुड़ी सामग्री शेयर करने से भी बचने की हिदायत दी है।

इस परीक्षा में वही छात्र शामिल हो सकेंगे, जो पहली मुख्य परीक्षा में पास या पात्र हैं और गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान व भाषा विषयों में से किसी तीन विषयों में अपने अंक सुधारना चाहते हैं। हालांकि, तीन से अधिक विषयों में फेल होने वाले छात्र इस परीक्षा के लिए योग्य नहीं होंगे।

राजस्थान में इस परीक्षा के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। अजमेर रीजन के करीब 1300 स्कूलों के लगभग 21 हजार विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। परीक्षा के लिए 90 केंद्र बनाए जा रहे हैं। नकल रोकने के लिए तीन स्तर पर उड़नदस्ते तैनात किए जाएंगे, वहीं संवेदनशील केंद्रों पर विशेष ऑब्जर्वर भी नियुक्त किए जाएंगे।

बोर्ड का कहना है कि परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं।

वन्दना वजीरानी को मिली डॉक्टरेट की उपाधि

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 मई 2026। चित्तौड़गढ़ अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की प्रबंध निदेशक वन्दना वजीरानी को जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर द्वारा पीएचडी पूर्ण करने पर डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई। वन्दना वजीरानी ने विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. प्रतीक जांगिड के निर्देशन में "सहकारी बैंकों व संस्थाओं में महिलाओं से सम्बन्धित विधिक आयाम" विषय पर शोध कार्य पूर्ण किया। इस उपलब्धि पर उन्हें कुलपति डॉ. एस.एस. सारंगदेवोत, विधि विभाग श्रमजीवी के निदेशक डॉ. कला मुणेत तथा प्राचार्या डॉ. मीता चौधरी के सानिध्य में प्रमाण पत्र प्रदान कर "डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी" की उपाधि से सम्मानित किया गया। वन्दना वजीरानी पिछले 26 वर्षों से बैंकिंग क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही वे राष्ट्र सेविका समिति सहित कई सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़ी हुई हैं और सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभा रही हैं।

उदयपुर में मिला दुर्लभ 'ग्लॉसी बेलीड रेसर' स्नेक, वन विभाग को सौंपा गया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गर्मी के मौसम में साँपों के रेस्क्यू के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वाइल्ड एंड स्ट्रीट ऐनिमल रेस्क्यू सोसाइटी के फाउंडर डॉ. पदम् सिंह राठौड़ ने बताया कि इन दिनों उनकी टीम को स्नेक रेस्क्यू के बड़ी संख्या में कॉल प्राप्त हो रहे हैं और टीम के सदस्य दिन-रात अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

इसी क्रम में नवरत्न कॉम्प्लेक्स स्थित एक घर में साँप होने की सूचना मिलने पर डॉ. राठौड़ अपनी टीम के सदस्य प्रशांत और हर्षवर्द्धन सिंह के साथ मौके पर पहुंचे। वहां घर के भीतर छिपे एक साँप को सावधानीपूर्वक रेस्क्यू किया गया। जांच करने पर पता चला कि यह दुर्लभ प्रजाति का 'ग्लॉसी बेलीड रेसर स्नेक' है। डॉ. राठौड़ ने बताया कि पिछले 29 वर्षों में उदयपुर में यह केवल तीसरी बार रेस्क्यू किया गया है। इससे पहले भी दो बार इसी टीम द्वारा इस प्रजाति के साँप का रेस्क्यू किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि यह विषहीन साँप है और इंसानों के लिए किसी प्रकार का खतरा नहीं होता। रेसर प्रजाति का होने के कारण इसकी गति काफी तेज होती है। छिपकली, छोटे चूहे आदि इसका मुख्य भोजन हैं। यह प्रजाति सामान्यतः राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में पाई जाती है। डॉ. राठौड़ के अनुसार उदयपुर में प्राकृतिक रूप से इस प्रजाति का पाया जाना कई सवाल खड़े करता है। संभावना है कि यह किसी ट्रांसपोर्ट माध्यम से यहां पहुंचा हो या फिर किसी सपेरे द्वारा लाकर बाद में छोड़ दिया गया हो। डीएफओ श्री अजय चित्तौड़ा के निर्देशानुसार रेस्क्यू किए गए साँप को वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया।

डॉ. पदम् सिंह राठौड़ ने आमजन से अपील की है कि घरों या आसपास किसी भी प्रकार का वन्यजीव दिखाई देने पर तुरंत 9414234826 या 9829597722 पर सूचना दें।

उदयपुर में मिला दुर्लभ 'ग्लॉसी बेलीड रेसर' स्नेक, वन विभाग को सौंपा गया

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गर्मी के मौसम में साँपों के रेस्क्यू के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वाइल्ड एंड स्ट्रीट ऐनिमल रेस्क्यू सोसाइटी के फाउंडर डॉ. पदम् सिंह राठौड़ ने बताया कि इन दिनों उनकी टीम को स्नेक रेस्क्यू के बड़ी संख्या में कॉल प्राप्त हो रहे हैं और टीम के सदस्य दिन-रात अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

इसी क्रम में नवरत्न कॉम्प्लेक्स स्थित एक घर में साँप होने की सूचना मिलने पर डॉ. राठौड़ अपनी टीम के सदस्य प्रशांत और हर्षवर्द्धन सिंह के साथ मौके पर पहुंचे। वहां घर के भीतर छिपे एक साँप को सावधानीपूर्वक रेस्क्यू किया गया। जांच करने पर पता चला कि यह दुर्लभ प्रजाति का 'ग्लॉसी बेलीड रेसर स्नेक' है। डॉ. राठौड़ ने बताया कि पिछले 29 वर्षों में उदयपुर में यह केवल तीसरी बार रेस्क्यू किया गया है। इससे पहले भी दो बार इसी टीम द्वारा इस प्रजाति के साँप का रेस्क्यू किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि यह विषहीन साँप है और इंसानों के लिए किसी प्रकार का खतरा नहीं होता। रेसर प्रजाति का होने के कारण इसकी गति काफी तेज होती है। छिपकली, छोटे चूहे आदि इसका मुख्य भोजन हैं। यह प्रजाति सामान्यतः राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में पाई जाती है। डॉ. राठौड़ के अनुसार उदयपुर में प्राकृतिक रूप से इस प्रजाति का पाया जाना कई सवाल खड़े करता है। संभावना है कि यह किसी ट्रांसपोर्ट माध्यम से यहां पहुंचा हो या फिर किसी सपेरे द्वारा लाकर बाद में छोड़ दिया गया हो। डीएफओ श्री अजय चित्तौड़ा के निर्देशानुसार रेस्क्यू किए गए साँप को वन विभाग के सुपुर्द कर दिया गया।

डॉ. पदम् सिंह राठौड़ ने आमजन से अपील की है कि घरों या आसपास किसी भी प्रकार का वन्यजीव दिखाई देने पर तुरंत 9414234826 या 9829597722 पर सूचना दें।

मंदिर के पास 572 ग्राम अवैध अफीम के साथ व्यक्ति गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई 5 मई शाम करीब 6:11 बजे अमरखजी महादेव मंदिर, अम्बेरी के पास की गई।

पुलिस के अनुसार आरोपी के पास से करीब 572 ग्राम अवैध अफीम बरामद की गई। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी की पहचान रतनलाल सुथार (45) निवासी खेड़ा देवी माताजी के पास, पुला क्षेत्र के रूप में हुई है।

कार्रवाई थाना अधिकारी भरत योगी के नेतृत्व में की गई। मामले की जांच पुलिस उपनिरीक्षक कर्मवीर सिंह द्वारा की जा रही है।

शादी का झांसा देकर युवती से 3 साल तक दुष्कर्म

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर जिले के पाटिया थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ शादी का झांसा देकर लंबे समय तक दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस गंभीर प्रकरण में विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार गदुनिया-बलिचा क्षेत्र निवासी 23 वर्षीय पीड़िता ने रिपोर्ट दी कि आरोपी भूरालाल अहारी पिछले तीन वर्षों से शादी का वादा कर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाता रहा। बाद में आरोपी ने शादी से इनकार कर दिया, जिसके बाद पीड़िता ने थाने में शिकायत दर्ज करवाई। आरोपी की पहचान भूरालाल अहारी (25) निवासी आड़ाघर, देमत, थाना पाटिया के रूप में हुई है। उसके खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच थानाधिकारी देवेन्द्र सिंह राव के निर्देशन में की जा रही है।

पानरवा थाना क्षेत्र में भीषण सड़क हादसा, एक की मौके पर मौत, एक घायल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। पानरवा थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। पुलिस के अनुसार प्रकरण संख्या 54/2026 में बीएनएस की धारा 281, 125ए और 106(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। रिपोर्ट 5 मई को शाम 5:55 बजे दर्ज की गई, जबकि घटना 3 मई को दोपहर करीब 1:30 बजे खाचण क्षेत्र में हुई। परिवादी चेतन दास (पिता नोला जी, निवासी करेल, थाना फलासिया) ने रिपोर्ट में बताया कि 3 मई को जमनालाल कसौटा अपने पड़ोसी अर्जुन सिंह राजपूत के साथ मोटरसाइकिल से कोटड़ा जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही मैक्स जीप (नंबर GJ 08 BB 6747) के चालक ने लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि जमनालाल को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अर्जुन सिंह भी घायल हो गए, जिनका उपचार जारी है। पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले की जांच सहायक उपनिरीक्षक निर्मल कुमार कर रहे हैं।

सायरा में महिला पर तलवार से हमला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सायरा थाना क्षेत्र के साकरिया गांव में एक महिला पर धारदार हथियार से हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार जंताबाई पत्नी मांगीलाल गमेती, निवासी साकरिया ने रिपोर्ट दी कि आरोपी ने उस पर तलवार से हमला कर चोट पहुंचाई। मामले में अर्जुन पुत्र कुसाराम गरासिया, निवासी घाटा नाड़ी मेरण (तहसील कोटड़ा) को नामजद किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 115(2), 126(2), 3(5) के साथ 4/25 आम्र्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। जांच हेड कांस्टेबल रमेश कुमार द्वारा की जा रही है।

सायरा में मारपीट का मामला, पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सायरा थाना क्षेत्र के ढोल गांव में मारपीट की घटना सामने आई है। पुलिस ने पीड़ित की रिपोर्ट पर पांच आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार शान्तीलाल पुत्र पेमाराम गमेती, निवासी ढोल ने शिकायत दर्ज करवाई कि आरोपियों ने उसके साथ मारपीट की। मामले में मोतीलाल पुत्र मानाराम, नारूराम पुत्र मांगीलाल और विणाराम पुत्र मानाराम निवासी ढोल को नामजद किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 115(2), 126(2) और 189(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच हेड कांस्टेबल नरेन्द्र सिंह कर रहे हैं।

फलासिया में युवक पर जानलेवा हमला, तीन आरोपी नामजद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। फलासिया थाना क्षेत्र के उपली सिगरी गांव में एक युवक पर जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार करण (19) पुत्र फतेहलाल चव्हाण, निवासी उपली सिगरी ने रिपोर्ट दी कि आरोपियों ने रास्ता रोककर उस पर हमला किया और जान से मारने की कोशिश की। मामले में जगदीश पुत्र धरयानाथ खराडी, रोहित पुत्र संतोष बरण्डा और नटराज पुत्र देवीलाल तावड़ को नामजद किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 115(2), 126(2), 109(1) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया है। जांच सहायक उपनिरीक्षक कालूलाल द्वारा की जा रही है।

खेरोदा में दहेज प्रताड़ना और मारपीट का मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के खेरोदा थाना क्षेत्र में एक विवाहिता के साथ मारपीट और दहेज प्रताड़ना का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार आम्बा का गुड़ा बोरिया निवासी मावी पटेल (25) पत्नी विमल पटेल ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसके साथ पति द्वारा मारपीट की गई और दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित किया गया। मामले में आरोपी विमल पटेल पुत्र दौलतराम पटेल, निवासी वली, कुराबड़ को नामजद किया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 85, 115(2) और 316(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया है। मामले की जांच थानाधिकारी सुरेश विश्नोई कर रहे हैं।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

सोशल मीडिया फॉलोअर्स बढ़ाने के लिए बनाया 'मारपीट' का फर्जी वीडियो, आरोपी गिरफ्तार

24 न्यूज अपडेट

ब्यावर। सोशल मीडिया पर फॉलोवर्स बढ़ाने और आमजन में भय का माहौल बनाने के लिए मारपीट का वीडियो वायरल करने वाले मुख्य आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा एवं वृत्ताधिकारी राजेश कसाना के सुपरविजन में पुलिस थाना जवाजा की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विक्रम सिंह को दबोच लिया।

ऐसे हुआ खुलासा

3 मई 2026 को इंस्टाग्राम पर एक मारपीट का वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने गश्त के दौरान आमजन को फुटेज दिखाकर युवक की पहचान करवाई। जांच में सामने आया कि वीडियो में दिख रहा युवक विक्रम सिंह निवासी नया गांव, जवाजा है।

पूछताछ में चौंकाने वाला सच

पुलिस पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वीडियो में दिख रही मारपीट वास्तविक नहीं थी। उसने अपने रिश्तेदार हरदयाल सिंह के साथ मिलकर यह वीडियो सिर्फ सोशल मीडिया पर फॉलोअर्स बढ़ाने और लोगों में डर पैदा करने के मकसद से बनाया था। वीडियो को इंस्टाग्राम पर "मच्छर की सर्विस" जैसे कैप्शन के साथ वायरल किया गया।

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और वीडियो को वायरल करने व उसमें सहयोग करने वाले अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

आरोपी का आपराधिक रिकॉर्ड

पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न धाराओं में मामले दर्ज हैं, जिससे उसकी आपराधिक प्रवृत्ति सामने आती है।

टीम की अहम भूमिका

कार्रवाई में थानाधिकारी डॉ. नवल किशोर के नेतृत्व में टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। साइबर शाखा और थाना स्टाफ की संयुक्त मेहनत से मामले का खुलासा संभव हो पाया।

पुलिस को चकमा देकर कोर्ट से भागा फरार शातिर आरोपी 5 दिन बाद आया गिरफ्त में

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। बांसवाड़ा में पुलिस अभिरक्षा से फरार हुआ शातिर आरोपी आखिरकार 5 दिन बाद पुलिस के हत्थे चढ़ गया। दानपुर थाना पुलिस ने कड़ी मशक्कत और लगातार सर्च ऑपरेशन के बाद आरोपी राकेश उर्फ गुलिया को माही डेम रोड से गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

कोर्ट परिसर से हुआ था फरार

पुलिस के अनुसार 21 वर्षीय राकेश उर्फ गुलिया निवासी गढ़ बारी पाड़ा को 30 अप्रैल को एक वारंट के तहत गिरफ्तार किया गया था। उसे कोर्ट में पेश करने ले जाया गया, लेकिन इसी दौरान उसने पुलिसकर्मी का हाथ झटककर कोर्ट परिसर से ही फरार हो गया। घटना के बाद कोतवाली थाने में मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी गई थी।

जंगलों से लेकर MP बॉर्डर तक सर्च

एसपी सुधीर जोशी के निर्देशन में आरोपी की तलाश के लिए कई टीमें गठित की गईं। पुलिस ने दानपुर, अंबापुरा, रायपुर के जंगलों सहित शहर के विभिन्न इलाकों में लगातार दबिश दी। सर्च ऑपरेशन को पड़ोसी जिलों प्रतापगढ़ के सालमगढ़, घंटाली, पीपलखूंट तक और पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के रतलाम सहित सीमावर्ती इलाकों तक फैलाया गया।

माही डेम रोड पर मिला सुराग, घेराबंदी कर पकड़ा

लगातार दबिश के बीच पुलिस को पुख्ता सूचना मिली कि आरोपी शहर के माही डेम रोड पर छिपा हुआ है। सूचना मिलते ही टीम ने तत्काल घेराबंदी की और उसे मौके से दबोच लिया।

टीमवर्क से मिली सफलता

इस पूरे ऑपरेशन में दानपुर थानाधिकारी लक्ष्मीचन्द के नेतृत्व में गठित टीम की अहम भूमिका रही। विशेष रूप से एएसआई वीरेंद्र सिंह और कॉन्स्टेबल जोरसिंह की सक्रियता से आरोपी को पकड़ना संभव हो पाया।

फिर कोर्ट में पेश, भेजा जेल

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को पुनः कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

प्रतापनगर थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई, दुपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश एक आरोपी गिरफ्तार, दो नाबालिग डिटेन, चोरी की 7 मोटरसाइकिल बरामद

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रतापनगर थाना पुलिस ने वाहन चोरी की वारदातों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए दुपहिया वाहन चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि दो नाबालिगों को डिटेन किया गया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई कुल 7 मोटरसाइकिल बरामद की गई हैं। पुलिस के अनुसार खेमपुरा निवासी भगवतीलाल पुत्र सोहनलाल गमेती ने प्रतापनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि करीब चार दिन पूर्व कोरोमण्डल गोदाम के पास से उनकी मोटरसाइकिल आरजे 27 एसी 4589 अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए। रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। जिला पुलिस अधीक्षक उदयपुर डॉ. अमृता दुहन द्वारा जिले में बढ़ रही वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और मामलों के खुलासे के लिए विशेष निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर उमेश ओझा एवं नगर पूर्व वृत्ताधिकारी सूर्यवीर सिंह के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी पुरण सिंह राजपुरोहित के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर सूचना के आधार पर जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि थाना क्षेत्र में रहने वाले कुछ युवक पिछले कई दिनों से अलग-अलग मोटरसाइकिलों पर घूम रहे हैं। इस पर पुलिस ने संदिग्ध युवकों को चिन्हित कर हिरासत में लिया और पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने वाहन चोरी की कुल 7 वारदातें करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गौरव पुत्र रमेश, उम्र 21 वर्ष, निवासी आपणी ढाणी, रेबारियों का गुड़ा, थाना प्रतापनगर, उदयपुर को गिरफ्तार किया। वहीं दो नाबालिगों को डिटेन किया गया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की गई कुल 7 मोटरसाइकिल बरामद कीं। बरामद मोटरसाइकिलों में पांच वाहन प्रतापनगर थाना क्षेत्र से तथा एक वाहन डबोक थाना क्षेत्र से चोरी किया गया था। एक अन्य मोटरसाइकिल के वास्तविक मालिक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। मामले में पुलिस आगे की जांच में जुटी हुई है। पुलिस द्वारा बरामद वाहनों में हीरो स्प्लेंडर प्लस और हीरो होंडा स्प्लेंडर मॉडल की मोटरसाइकिलें शामिल हैं। इस कार्रवाई में प्रतापनगर थानाधिकारी पुरण सिंह राजपुरोहित, उप निरीक्षक सुनील बिश्नोई, उप निरीक्षक जगदीश चंद्र मेनारिया, हेड कांस्टेबल प्रताप सिंह, मुकेश, तखत सिंह, विश्वेंद्र सिंह, कांस्टेबल राजूराम, शंकरलाल, बनवारी तथा श्यामलाल की विशेष भूमिका रही। पुलिसकर्मी शंकरलाल एवं बनवारी की भूमिका को विशेष रूप से सराहा गया है।

उदयपुर में फिर 4 मोटरसाइकिलें चोरीः अलग-अलग थाना क्षेत्रों में वारदातें, गिरोह सक्रिय

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर शहर में मोटरसाइकिल चोरी की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में कुल 4 बाइक चोरी की वारदातें सामने आई हैं, जिससे आमजन में चिंता का माहौल है। बदमाश खासतौर पर रात के समय खड़ी बाइक को निशाना बना रहे हैं और यह सिलसिला लगातार कुछ महीनों से चल रहा है। ऐसे में किसी बड़ी गैंग की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अब तक बदमाशों को पकड़ने में नाकाम रही है।

भूपालपुरा थाना क्षेत्रः गोदाम के बाहर से बाइक गायब

भूपालपुरा इलाके में मुकेश गरासिया (18) निवासी कोट पानरवा ने बताया कि 25 अप्रैल की रात करीब 10 बजे उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल आदिनाथ नमकीन गोदाम के बाहर खड़ी की थी। सुबह जब वे पहुंचे तो बाइक गायब थी। काफी तलाश के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला। मामले की जांच हेड कांस्टेबल मनबहादुर सिंह कर रहे हैं।

प्रतापनगर थाना क्षेत्रः एक ही इलाके में तीन बाइक चोरी

प्रतापनगर थाना क्षेत्र में एक साथ तीन अलग-अलग बाइक चोरी के मामले सामने आए हैं। भगवती लाल गमेती (20) निवासी खेमपुरा चौराहा की मोटरसाइकिल (RJ 27 AC 4589) अज्ञात बदमाश चुरा ले गए। जांच हेड कांस्टेबल प्रताप सिंह के पास है। इसी प्रकार ललित तेली (25) निवासी कृष्णा कॉलोनी खेमपुरा ने बताया कि उनके पिता की मोटरसाइकिल (RJ 27 BG 9663) घर के बाहर से चोरी हो गई। इस मामले की जांच हेड कांस्टेबल मुकेश कुमार कर रहे हैं। इधर, निर्मल मेघवाल (30) निवासी यूआईटी कॉलोनी, प्रतापनगर की मोटरसाइकिल (RJ27 BZ 9638) अज्ञात चोर उठा ले गए। जांच हेड कांस्टेबल तख्त सिंह द्वारा की जा रही है।

रात में सक्रिय गिरोह की आशंका

लगातार हो रही इन वारदातों से अंदेशा जताया जा रहा है कि कोई संगठित गिरोह शहर में सक्रिय है, जो सुनसान इलाकों और घरों के बाहर खड़ी मोटरसाइकिलों को निशाना बना रहा है। पुलिस ने सभी मामलों में जांच शुरू कर दी है और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। आम लोगों से अपील की गई है कि वे अपने वाहनों को सुरक्षित स्थान पर खड़ा करें और डबल लॉक का इस्तेमाल करें।

CRIME NEWS

स्कूल के पास तंबाकू सामग्री बेचने पर कार्रवाई, एक युवक के खिलाफ केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के सुखेर थाना क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थान के पास प्रतिबंधित क्षेत्र में धूम्रपान सामग्री बेचने का मामला सामने आया है। घटना 5 मई 2026 को मीरा नगर एकेडमी के पास की है, जहां पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक युवक के खिलाफ मामला दर्ज किया। पुलिस के अनुसार आरोपी द्वारा ऐसे स्थान पर तंबाकू और धूम्रपान से जुड़ी सामग्री बेची जा रही थी, जहां यह पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस पर राजस्थान धूम्रपान प्रतिषेध अधिनियम की धारा 9/11 के तहत कार्रवाई की गई। आरोपी की पहचान प्रमोद सिंह (26) निवासी राजेश्वर नंदन कॉलोनी के रूप में हुई है। इस कार्रवाई में हेड कांस्टेबल दुर्ग सिंह और हेड कांस्टेबल भावेश शामिल रहे।

स्कूल के पास तेज आवाज में गाने बजाने पर कार्रवाई, टेम्पो चालक पर केस दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर तेज आवाज में गाने बजाकर शोर-शराबा करने का मामला सामने आया है। घटना 5 मई को शाम करीब 5:30 बजे राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, बेदला के पास की है। पुलिस के अनुसार एक टेम्पो चालक वाहन में अत्यधिक तेज आवाज में गाने बजा रहा था, जिससे आसपास के क्षेत्र में कोलाहल की स्थिति बन गई। यह कृत्य राजस्थान कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के तहत प्रतिबंधित है। आरोपी की पहचान प्रहलाद खटीक (30) निवासी गली नंबर 2, बेदला के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके खिलाफ राजस्थान कोलाहल अधिनियम की धारा 4/6 के तहत मामला दर्ज किया है। कार्रवाई में हेड कांस्टेबल विनोद कुमार और सहायक उपनिरीक्षक हरीशचंद्र शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों, विशेषकर स्कूलों के आसपास शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह की कार्रवाइयां लगातार जारी रहेंगी।

पैसिफिक कॉलेज के पास प्रतिबंधित क्षेत्र में तंबाकू सामग्री बेचने पर कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित क्षेत्र में धूम्रपान संबंधी सामग्री बेचने का मामला सामने आया है। यह कार्रवाई 5 मई को दोपहर करीब 12:07 बजे पैसिफिक कॉलेज के पास की गई। पुलिस के अनुसार आरोपी द्वारा ऐसे क्षेत्र में तंबाकू व धूम्रपान सामग्री बेची जा रही थी, जहां यह पूरी तरह प्रतिबंधित है। इस पर राजस्थान धूम्रपान प्रतिषेध अधिनियम की धारा 9/11 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की पहचान महेन्द्र सिंह राजपूत (23) निवासी गांव डांगकी भागल, भताला के रूप में हुई है। कार्रवाई सहायक उपनिरीक्षक हरीशचंद्र के नेतृत्व में की गई, हेड कांस्टेबल नितेश भी शामिल रहे हैं। पुलिस ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों, खासकर शैक्षणिक संस्थानों के आसपास ऐसे मामलों में लगातार निगरानी रखी जा रही है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

रानी रोड पर लहराई तलवार, फैलाई दहशत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के अम्बामाता थाना क्षेत्र में सार्वजनिक स्थान पर प्रतिबंधित हथियार तलवार लहराकर लोगों में भय फैलाने का मामला सामने आया है। घटना 5 मई को दोपहर करीब 1:20 बजे से 2:20 बजे के बीच रानी रोड स्थित विरासत रिसोर्ट के पीछे की बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने बिना वैध कागजात के राज्य सरकार द्वारा प्रतिबंधित हथियार तलवार अपने कब्जे में रखा और उसे सार्वजनिक मार्ग पर लहराते हुए आमजन में दहशत का माहौल बना दिया। इस संबंध में आर्म्स एक्ट की धारा 4/25 के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी की पहचान मोहम्मद नकीर उर्फ मामीया (32) निवासी राम मनोहर लोहिया नगर के रूप में हुई है, जो फिलहाल फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। मामले की कार्रवाई सहायक उपनिरीक्षक अमजद खान के निर्देशन में की जा रही है, जबकि जांच में हेड कांस्टेबल सज्जन सिंह भी शामिल हैं।

सूदखोरी के आतंक से वीडियो बनाकर मौत को लगाया गले, मूल से 20 गुना राशि वसूली, फिर भी नहीं छोड़ा

24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। भीलवाड़ा के सुभाष नगर थाना क्षेत्र स्थित आरसी व्यास कॉलोनी में रहने वाले 51 वर्षीय सूर्य प्रकाश दाधीच, जो जोधपुर के मरुधरा नर्सिंग कॉलेज में एलडीसी के पद पर कार्यरत थे, मंगलवार रात आरके गार्डन के पास अचेत अवस्था में मिले। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया, लेकिन अपनी मौत से ठीक पहले उन्होंने एक ऐसा वीडियो सुसाइड नोट छोड़ा जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया है। अपने साले के नाम रिकॉर्ड किए गए इस भावुक संदेश में सूर्य प्रकाश ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि वे कर्ज की मूल राशि का 20 गुना से ज्यादा हिस्सा ब्याज के तौर पर चुका चुके थे, इसके बावजूद सूदखोरों की भूख शांत नहीं हो रही थी। वीडियो में उन्होंने रुंधे गले से गुहार लगाई कि इस वीडियो को पुलिस को दिखाया जाए और उनके जाने के बाद उनके परिवार व मासूम बच्चों को इन दरिंदों से बचाया जाए। उन्होंने अपने साले से अंतिम इच्छा जताते हुए कहा कि वह 12 दिन उनके बेटे केशव के साथ रहे और परिवार पर कोई आंच न आने दे। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया है कि सूदखोर न केवल सूर्य प्रकाश को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे, बल्कि उनकी बेटी, जो अहमदाबाद में नौकरी कर रही है, उसे भी फोन पर लगातार भद्दी गालियां और धमकियां दी जा रही थीं। सामाजिक बदनामी के डर और अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर सूर्य प्रकाश इतने गहरे तनाव में थे कि उन्हें आत्महत्या ही एकमात्र रास्ता नजर आया। परिजनों का कहना है कि आज भी सूदखोरों के फोन मृतक के नंबर पर आ रहे हैं, जिससे स्पष्ट है कि उनमें कानून का कोई खौफ नहीं है। फिलहाल, सुभाष नगर थाना पुलिस ने वीडियो सुसाइड नोट और कॉल डिटेल्स को आधार बनाकर मामले की जांच शुरू कर दी है और दोषियों की तलाश की जा रही है, ताकि एक परिवार को तबाह करने वाले इन सूदखोरों को कड़ी सजा दिलाई जा सके।

पत्नी की हत्या के मामले में 4 माह से फरार आरोपी गिरफ्तार, सुदर्शन चक्र-2 अभियान के तहत गोगुंदा थाना पुलिस की बड़ी कार्रवाई

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे "सुदर्शन चक्र-2" अभियान के तहत गोगुंदा थाना पुलिस ने पत्नी की हत्या के मामले में चार माह से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। महानिरीक्षक पुलिस उदयपुर रेंज के निर्देश पर जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. अमृता दुहन के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय गोपाल स्वरूप मेवाड़ा एवं वृत्ताधिकारी गिर्वा गोपाल चंदेल के सुपरविजन में थानाधिकारी श्याम सिंह के नेतृत्व में गठित टीम ने आसूचना और तकनीकी सहयोग के आधार पर कार्रवाई की। पुलिस टीम ने हत्या के आरोपी शैतान कालबेलिया पुत्र रामा निवासी चांगला थाना झाड़ोल, हाल उण्डीथल वन चौकी के पास थाना गोगुंदा, उदयपुर को झाड़ोल के जंगलों से गिरफ्तार किया। आरोपी पिछले चार माह से फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी शैतान कालबेलिया झाड़ोल, फलासिया, उदयपुर, थूर की पाल, सविना, लोसिंग, नाथद्वारा, जयसमंद, सलूम्बर, जालौर, भीनमाल, सादड़ी, पाली और जोधपुर सहित कई क्षेत्रों में कालबेलिया समाज के डेरे बदल-बदलकर छिपता रहा। पुलिस टीम ने उसकी तलाश में करीब 100 से अधिक डेरे चेक किए। आरोपी अलग-अलग जिलों में मजदूरी कर अपनी पहचान छिपाने का प्रयास कर रहा था। घटना 31 दिसंबर 2025 की रात की है। पुलिस के अनुसार पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के दौरान आरोपी ने अपने ही बच्चों के सामने पत्नी सीता के सिर पर लट्ठ से वार कर उसकी हत्या कर दी थी। वारदात के बाद आरोपी अपने नौ छोटे बच्चों को छोड़कर मौके से फरार हो गया था। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। कार्रवाई करने वाली टीम में थानाधिकारी श्याम सिंह, सहायक उप निरीक्षक योगेश्वर सिंह, कांस्टेबल शिवसिंह, वीरेंद्र सिंह और नारायण सिंह शामिल रहे। इस कार्रवाई में कांस्टेबल शिवसिंह की विशेष भूमिका रही।

फेरों से एक घंटे पहले शादी में पहुंची युवती, तिहाड़ जेल प्रहरी पर रेप का आरोप लगाकर रुकवाई शादी

24 न्यूज अपडेट

अलवर। जिले के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में एक शादी समारोह उस समय हंगामे में बदल गया, जब फेरों से करीब एक घंटे पहले एक युवती समारोह में पहुंच गई और दूल्हे पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए शादी रुकवा दी। मामला तिहाड़ जेल में कार्यरत जेल प्रहरी धर्म सिंह मीणा से जुड़ा है, जिसे आखिरकार बिना दुल्हन वापस लौटना पड़ा। जानकारी के अनुसार लक्ष्मणगढ़ निवासी धर्म सिंह मीणा की शादी 5 मई को आयोजित थी। शादी समारोह के दौरान एक युवती मौके पर पहुंची और उसने धर्म सिंह पर शादी का झांसा देकर रेप करने का आरोप लगाया। युवती ने समारोह में जमकर हंगामा किया और दावा किया कि आरोपी ने उससे शादी का वादा किया था। घटना की जानकारी मिलते ही दुल्हन पक्ष ने विवाह से इनकार कर दिया और फेरे रुकवा दिए। इसके बाद युवती ने अलवर के अरावली विहार थाने में आरोपी जेल प्रहरी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया। पीड़िता ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि उसकी मुलाकात धर्म सिंह मीणा से 2 मई 2022 को हुई थी। पहली मुलाकात में आरोपी ने खुद को तिहाड़ जेल में जेल प्रहरी बताया था। इसके बाद दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई और संबंध बढ़ते गए। युवती का आरोप है कि 20 जुलाई 2025 को उसके जन्मदिन पर धर्म सिंह उसके घर आया और रात में जबरन रुक गया। इसी दौरान उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने भरोसा दिलाया कि दोनों जल्द शादी करेंगे, जिसके कारण वह उसके झांसे में आ गई। पीड़िता के अनुसार 22 अप्रैल को जब शादी की बात आगे बढ़ी तो आरोपी ने कहा कि उसके परिवार को 21 लाख रुपए दहेज में चाहिए और बिना दहेज शादी संभव नहीं है। कुछ दिन बाद उसने बताया कि उसकी शादी कहीं और तय हो चुकी है और 5 मई को विवाह है। विरोध करने पर आरोपी ने उसे धमकाया और कहा कि वह उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकेगी। अरावली विहार थाना प्रभारी रामेश्वर दयाल ने बताया कि युवती की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़िता का मेडिकल कराया गया है और मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने घटनास्थल का भी निरीक्षण किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी युवक सरकारी नौकरी में कार्यरत है। वहीं युवती के शादी समारोह में पहुंचने के बाद विवाह संपन्न नहीं हो सका।

खड़ी कार में शॉर्ट सर्किट से लगी आग, बड़ा हादसा टलाए जेके सीमेंट की फायर ब्रिगेड ने पाया आग पर काबू

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 मई। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा बागोर की हवेली के कला वीथी में वागड़ अंचल के तीर्थ स्थल बेणेश्वर धाम के संत मावजी के चोपड़ों में मंडित छायाचित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ केन्द्र निदेशक ने किया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के निदेशक डॉ. अश्विन एम. दलवी ने बताया कि बागोर की हवेली के कला वीथी गैलरी में संत मावजी के चोपड़ों के छायाचित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है। केन्द्र द्वारा प्रलेखन योजना में साबला स्थित श्री हरि मंदिर तथा सलूम्बर के शेषपुर के चोपड़ों का छायांकन करवाया गया जो तकरीबन 300 वर्ष पुराने हैं और इनमें सृजित चित्र व उनमें प्रयुक्त रंग आज भी यथावत है। श्री हरि मंदिर साबला में विद्यमान दो गुना दो फीट आकार के चोपड़े में 333 पन्ने हैं तथा मूल ग्रंथ में 70 चित्र विद्यमान हैं। इसमें देवनागरी लिपि में वागड़ी मिश्रित गुजराती, हिन्दी ब्रज, संस्कृत एवं अपभ्रंश संदेश मंडित हैं इनमें से 38 चित्र इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित किये गये हैं। इन चित्रों में भक्ति के साथ-साथ संत मावजी के जीवन के प्रति विचार तथा उनके जीवन दर्शन को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। इस अवसर पर केन्द्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

अंतिम यात्रा की तैयारी के बीच 'जिंदा' हुई बुजुर्ग महिला, परिजन समझ बैठे थे मृत

24 न्यूज अपडेट

अलवर। जिले के अजबगढ़ क्षेत्र में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को परिजनों ने मृत मान लिया और अंतिम संस्कार की तैयारी शुरू कर दी। हालांकि बुधवार सुबह अंतिम यात्रा से पहले महिला के शरीर में हलचल होने पर परिवार के लोग उसे तुरंत अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के बाद उसकी हालत में सुधार बताया जा रहा है। जानकारी के अनुसार अजबगढ़ निवासी चमेली देवी की मंगलवार रात अचानक तबीयत बिगड़ गई। कुछ देर बाद उनके शरीर में कोई हरकत नहीं हुई और सांसें भी बेहद धीमी पड़ गईं। काफी समय तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर परिजनों ने उन्हें मृत मान लिया। इसके बाद महिला को चारपाई से उतारकर जमीन पर लिटा दिया गया और रिश्तेदारों को मौत की सूचना दे दी गई। रातभर परिजन और रिश्तेदार अंतिम संस्कार की तैयारी में जुटे रहे। बुधवार सुबह अंतिम यात्रा निकालने की तैयारी चल रही थी, तभी अचानक चमेली देवी के पैरों में हलचल दिखाई दी। यह देखकर घर में मौजूद लोग स्तब्ध रह गए। परिजनों ने तुरंत महिला को दौसा जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां इमरजेंसी यूनिट में उनका उपचार शुरू किया गया। दौसा जिला अस्पताल की इमरजेंसी यूनिट के नर्सिंग इंचार्ज महेंद्र कुमार मीणा ने बताया कि महिला को परिजन मृत समझ बैठे थे। संभवतः उनकी सांसें बेहद धीमी हो गई थीं, जिसके कारण परिवार को लगा कि उनकी मौत हो चुकी है। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद महिला की हालत में सुधार हुआ है और फिलहाल वह स्वस्थ हैं। घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

बागोर की हवेली में संत मावजी के चोपड़ों के छायाचित्रों की प्रदर्शनी

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 मई। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र द्वारा बागोर की हवेली के कला वीथी में वागड़ अंचल के तीर्थ स्थल बेणेश्वर धाम के संत मावजी के चोपड़ों में मंडित छायाचित्रों की प्रदर्शनी का शुभारंभ केन्द्र निदेशक ने किया। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र उदयपुर के निदेशक डॉ. अश्विन एम. दलवी ने बताया कि बागोर की हवेली के कला वीथी गैलरी में संत मावजी के चोपड़ों के छायाचित्रों की प्रदर्शनी लगाई गई है। केन्द्र द्वारा प्रलेखन योजना में साबला स्थित श्री हरि मंदिर तथा सलूम्बर के शेषपुर के चोपड़ों का छायांकन करवाया गया जो तकरीबन 300 वर्ष पुराने हैं और इनमें सृजित चित्र व उनमें प्रयुक्त रंग आज भी यथावत है। श्री हरि मंदिर साबला में विद्यमान दो गुना दो फीट आकार के चोपड़े में 333 पन्ने हैं तथा मूल ग्रंथ में 70 चित्र विद्यमान हैं। इसमें देवनागरी लिपि में वागड़ी मिश्रित गुजराती, हिन्दी ब्रज, संस्कृत एवं अपभ्रंश संदेश मंडित हैं इनमें से 38 चित्र इस प्रदर्शनी में प्रदर्शित किये गये हैं। इन चित्रों में भक्ति के साथ-साथ संत मावजी के जीवन के प्रति विचार तथा उनके जीवन दर्शन को चित्रों के माध्यम से दर्शाया गया है। इस अवसर पर केन्द्र के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

दो बाइक की भिड़ंत में एक जने की मौके पर हुई मौत

24 न्यूज अपडेट

सागवाड़ा (जयदीप जोशी)। नेशनल हाईवे 937ए पर बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। ठाकरड़ा मोड़ के पास हुई दो बाइक की भिड़ंत में एक बुजुर्ग की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा गंभीर रूप से घायल उनकी पत्नी को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार जेठाना निवासी रिटायर नायब तहसीलदार रामलाल (70) पुत्र चौखा जी बुनकर अपनी पत्नी मणि देवी के साथ ठाकरड़ा गांव में आयोजित मंदिर प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने मोटरसाइकिल पर जा रहे थे। इसी दौरान टोल नाका से करीब 100 मीटर आगे ठाकरड़ा मोड़ के पास डूंगरपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक पावर बाइक ने उनकी बाइक को रॉन्ग साइड से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रामलाल बुनकर ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनकी पत्नी मणि देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे में दोनों बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी मनीष खोईवाल मय पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने मृतक के शव को सागवाड़ा के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जबकि घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कर उपचार शुरू कराया गया। हादसे की जानकारी मिलने पर चिकित्सालय में भारी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। हादसे को लेकर गणेश (38) पुत्र केवलजी बुनकर निवासी जेठाना ने रिपोर्ट देते हुए बताया कि 6 मई को मैं अपनी मोटरसाइकिल से तथा मेरे ताऊजी रामलाल पुत्र चौखा बुनकर व मेरी ताई मणीदेवी उनकी मोटरसाइकिल से ठाकरड़ा जा रहे थे। ठाकरड़ा मोड़ से थोड़ा पहले पीछे से आने वाले अमरजी पुत्र गोवनजी बुनकर का इंतजार करते हुए रोड के बायीं तरफ खड़े थे कि डूंगरपुर की तरफ से मोटरसाइकिल चालक तेज गति व लापरवाहीपूर्वक आते हुए टक्कर मार दी, जिससे ताऊजी व ताई दोनों सड़क पर गिर पड़े। उन्हें चिकित्सालय ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने रामलाल बुनकर को मृत घोषित कर दिया। परिजनों की रिपोर्ट पर एएसआई शंकरलाल मय जाब्ता ने लाश का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द किया। अनुसंधान एएसआई शंकरलाल के जिम्मे किया गया।

उदयपुर में 20 हेक्टेयर में विकसित होगा चंदन वन, वन मंत्री संजय शर्मा ने किया निरीक्षण

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 6 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर उदयपुर में 20 हेक्टेयर क्षेत्र में चंदन वन विकसित किया जाएगा। इसके लिए बुधवार को वन मंत्री संजय शर्मा ने पिछोला झील किनारे स्थित कालकामाता नर्सरी क्षेत्र का दौरा कर प्रस्तावित स्थल का निरीक्षण किया। वन विभाग द्वारा कालकामाता नर्सरी स्थित 20 हेक्टेयर वन भूमि का चयन चंदन वन विकसित करने के लिए किया गया है। निरीक्षण के दौरान वन मंत्री ने मुख्यमंत्री की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत विकसित किए जाने वाले चंदन वन के तकनीकी पहलुओं, पौधों की सुरक्षा और विकास संबंधी व्यवस्थाओं पर अधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा की। इस दौरान मुख्य वन संरक्षक सुनील छिद्री, मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव उदयपुर सेडूराम यादव, उप वन संरक्षक मुकेश सैनी सहित विभागीय अधिकारियों ने वन मंत्री को जानकारी दी कि कालकामाता क्षेत्र में पहले से प्राकृतिक रूप से चंदन के कुछ पौधे मौजूद हैं। यह इस बात का संकेत है कि यह क्षेत्र चंदन पौधों के विकास के लिए अनुकूल है। वन मंत्री ने पैदल चलकर तथा वॉच टॉवर से पूरे क्षेत्र का अवलोकन किया। उप वन संरक्षक मुकेश सैनी ने बताया कि चंदन एक अर्ध-परजीवी प्रजाति है, जिसे विकास के लिए होस्ट प्लांट यानी सहायक पौधों की आवश्यकता होती है। ये पौधे अपनी जड़ों के माध्यम से चंदन को आवश्यक पोषण उपलब्ध कराते हैं। उन्होंने बताया कि चयनित क्षेत्र में पहले से मेंहदी, नीम हेज और अकेशिया प्रजाति के पौधे मौजूद हैं, जो होस्ट प्लांट के रूप में उपयोगी साबित होंगे। इसके अलावा करोंदा और ड्यूरेंटा जैसे अतिरिक्त पौधे भी लगाए जाएंगे, ताकि चंदन पौधों का बेहतर विकास हो सके। कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री संजय शर्मा ने चंदन का पौधा लगाकर अभियान की शुरुआत की। वहीं "एक जिला एक वनस्पति" अभियान के तहत महुआ के पौधों का भी रोपण किया गया। इसके बाद वन मंत्री ने कालकामाता नर्सरी का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर मुख्य वन संरक्षक सेडूराम यादव, उप वन संरक्षक (उत्तर) अजय चित्तौड़ा, शैतान सिंह, यादवेन्द्र सिंह, सहायक वन संरक्षक घनश्याम कुमावत, सुश्री सुरेखा चौधरी, राजेन्द्र सहित वन विभाग के कई अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।